ईश्वरीय सेवा में संगठन भावना

ब्रह्माकुमारीझ

प्रस्तुति

ब्र. कु. प्रफुलचन्द्र

संगठन (Team) अर्थात क्या?

कोई लक्ष सिद्धि हेतु साथ मिल कर कुछ करते हुए लोग

CRICKET TEAM

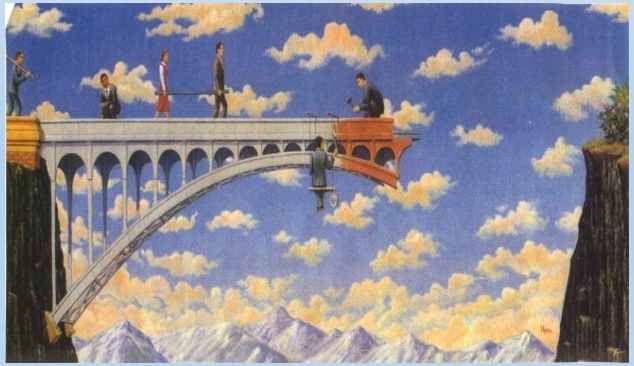

CONSTRUCTION TEAM

FOOTBALL TEAM

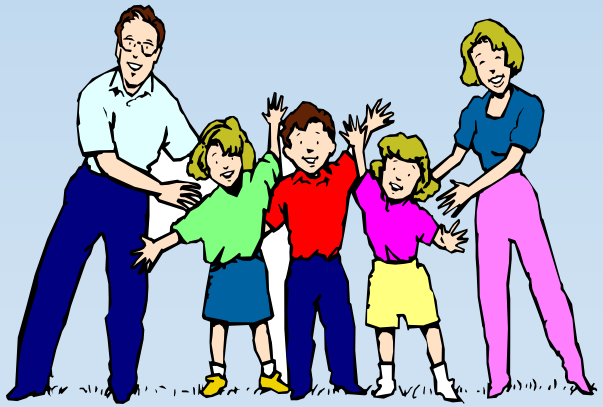

FAMILY TEAM

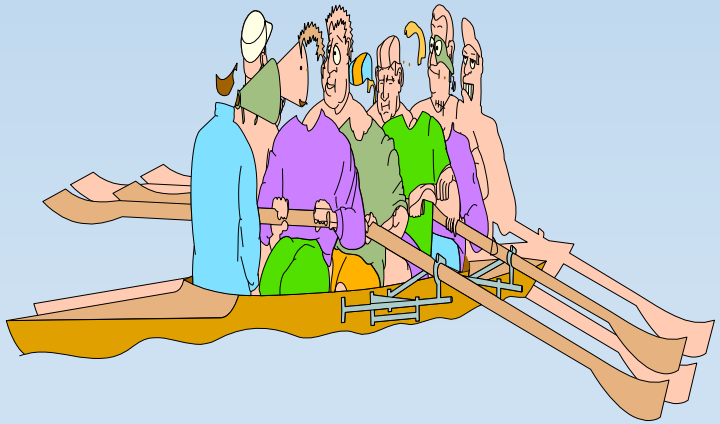

BOAT RACING TEAM

BABA'S GODLY TEAM

संगठन कार्य – Team Work

१. कोई एक सामान्य लक्ष्य की सिद्धि के लिए एक साथ काम करने की क्षमता

२. संगठनात्मक उद्देश्यों के लिए व्यक्तिगत उपलब्धियों को संगठन प्रति निर्देशित करने की क्षमता

संगठन भावना -TEAM SPIRIT

- समूह की एक ऐसी भावना जिसमे संगठन का हर कोई सदस्य चाहता हैं कि संगठन सफल हो

- संगठन की उपलब्धि प्रत्येक व्यक्ति के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है ऐसी संगठन के सदस्य की समज

- यह वह ईंधन है जो आम लोगों को असामान्य परिणाम प्राप्त करने की क्षमता प्रदान करता है

संगठन भावना के उत्कृष्ट उदाहरण

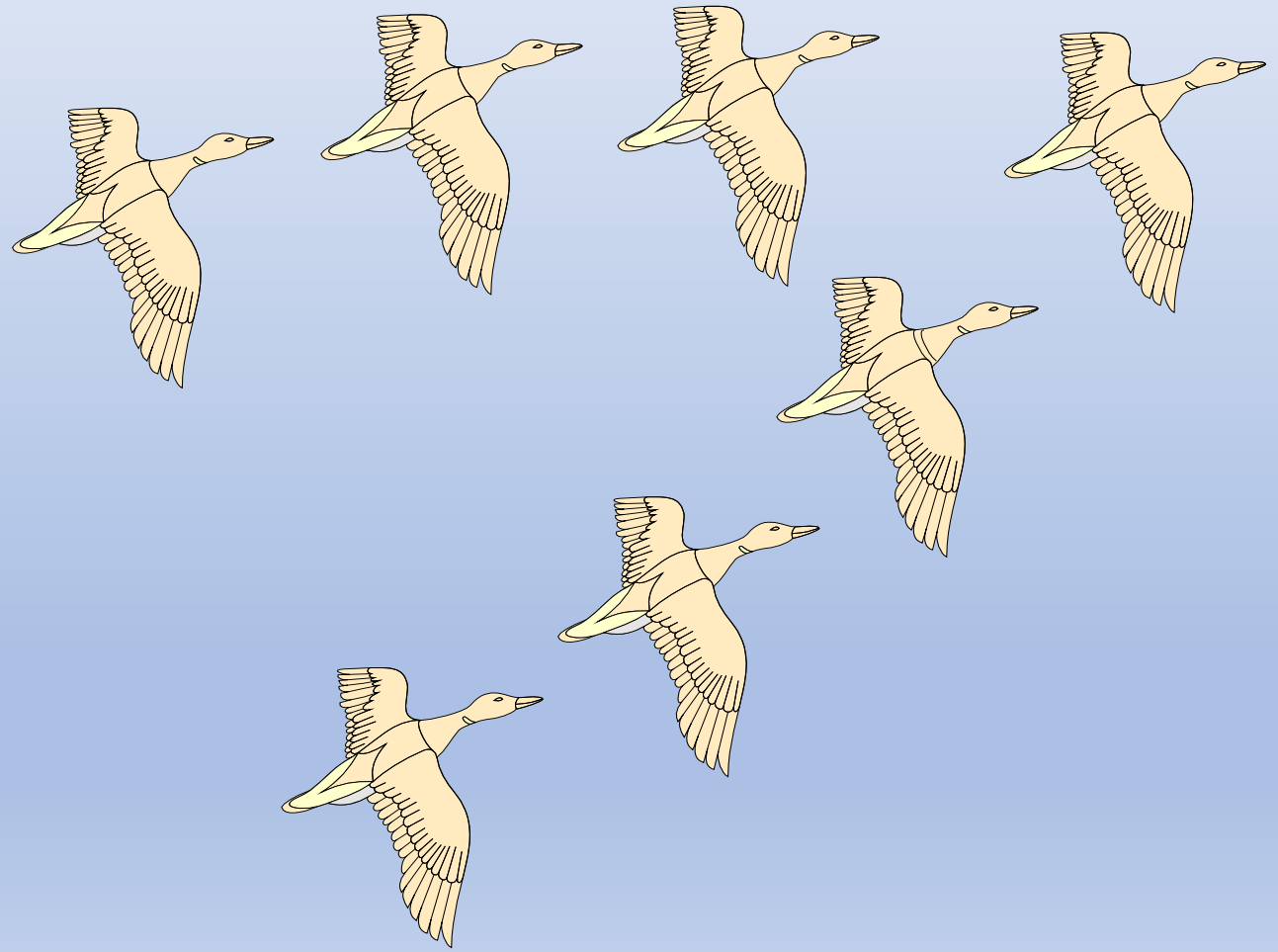

TEAM SPIRIT

NEED OF THE HOUR IS ...

T - TOGETHER

E - EMPOWERED WE

A - ACHIEVE

M - MORE

संगठन निर्माण - TEAM BUILDING

यह लोगों के समूह को उनके लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम बनाने की प्रक्रिया है।

- GET-मिलो

- SET-निश्चित करो

- GO-आगे बढ़ो

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

GOLDEN PRINCIPLES FOR TEAM BUILDING

- दीर्घ द्रष्टा बन, सकारात्मक एवं रचनात्मक नेतृत्व का सहयोग दे संगठन को मजबूत बनाओ

- संगठन को अपना सशक्त (Strengthen) एवं मूल्य वर्धित (Value Added) सहयोग दे कर संगठन के लक्ष को सिद्ध करो

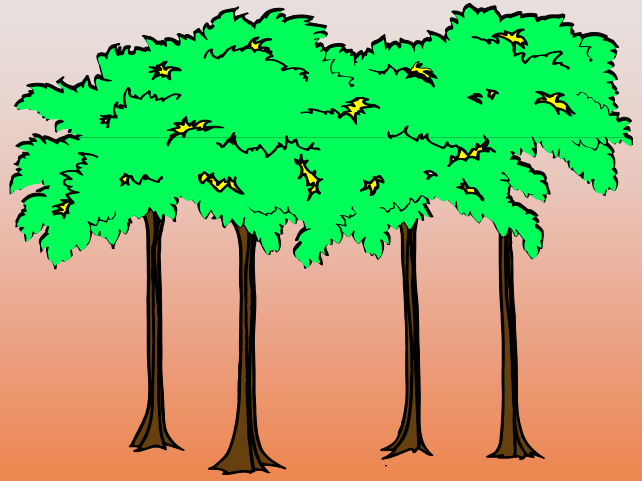

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

सब के साथ अपना संचार-संपर्क बना के रख, हर परिस्थिति को सँभालते हुए असरकारक प्रबंधन करे । इसके लिए अपनी कोम्युनिकेशन स्किल का विकास करे ।

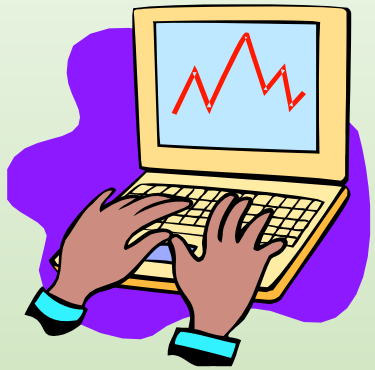

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

अपनी गलती पर कभी गभराना मत वा निराश मत होना लेकिन की हुई गलती से सिख ले दुबारा वो गलती न हो उसके लिए सतर्क रहना | जब कोई गलती हो जाय तो संगठन से माफ़ी माग लेनी चाहिए | आपकी विश्वसनीयता बनी रहेगी |

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

समर्थ संगठन निर्माण अर्थ हमेशा रचनात्मक (Creative) एवं सक्रिआत्मक (Proactive) रहे

संगठन के हर सदस्य को प्रोत्साहित करते रहो और संगठन की एकता को बना के रखो

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

हरेक के कार्य वा सहयोग की सराहना करे| यदि किसी से हुई गलती को उसके ध्यान पर लाना हो तो प्रथम उसकी दो विशेषताओं की कदर करे| उस के बाद प्रेम से उसकी गलती को उसके ध्यान पर लाये और सुधार के लिए प्रोत्साहित करे और उसमे अपने साथ का विश्वास दिलाए| गलती ध्यान पर लाने में देरी नहीं करे और गलती को स्पष्ट रूप से बताए|

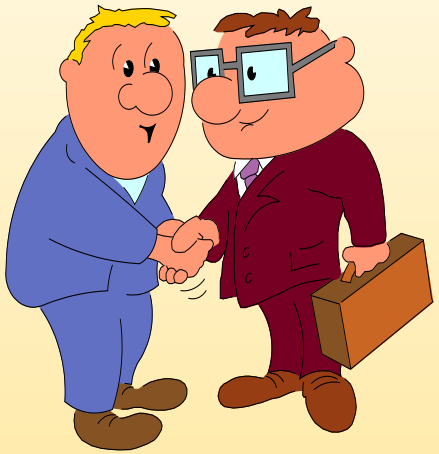

APPRECIATE

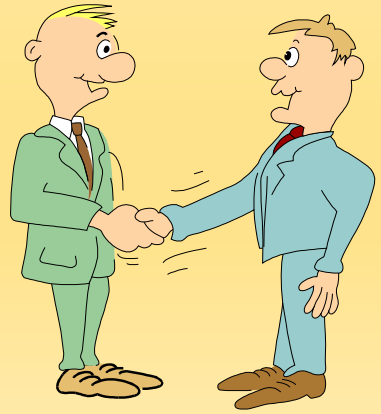

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

सुनाने से पहले दूसरो को प्रेम से एवं ध्यान से सुनने की आदत डालिए

अपने हर कार्य के प्रति प्रामाणिक, निष्ठावान और प्रतिबध्ध (Committed) रहे

कार्य संपन्न होने के बाद संगठन के सदस्यो से प्रतिपुष्टि (Feed Back) जरुर लेना चाहिए

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

संगठन भावना को बनाए रखने के लिए पी. एच. डी. से दूर रहे | किसी को नीचा दिखाने से हमेशा दूर रहे | इससे संगठन कमजोर होता है |

P - PULL

H - HIM

D - DOWN

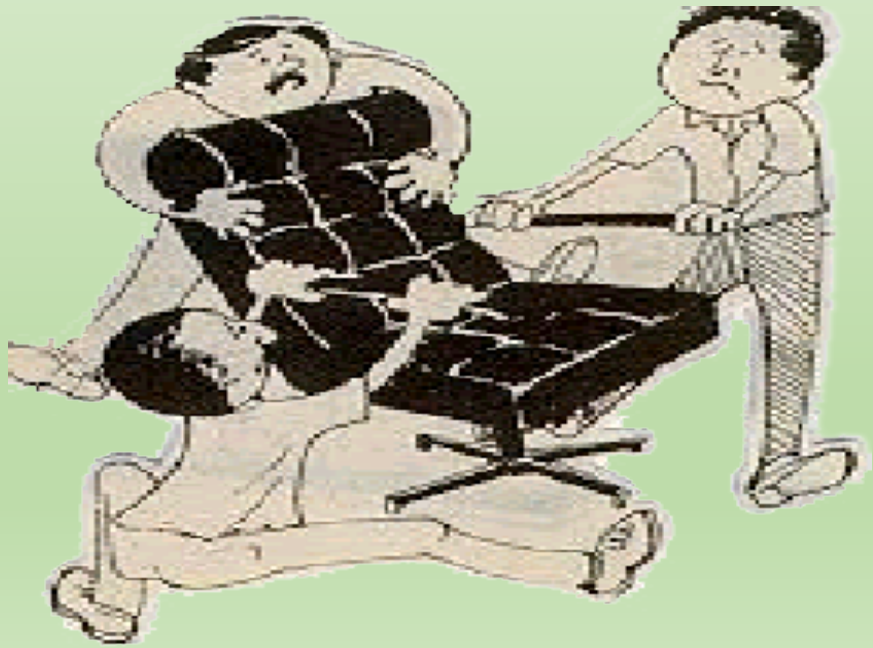

संगठन निर्माण के सुनहरे सिद्धांत

हमेशा खुश रहो, संतुष्ट रहो, और हसते रहो

हताशा, निराशा, तनाव, व्यग्रता, भय से दूर रहो

संगठन भावना TEAM SPIRIT

TEAM SPIRIT IS...

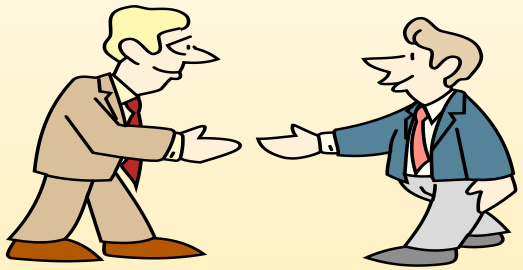

- MORE THAN A HELPING HAND

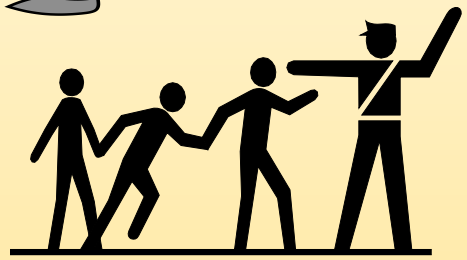

- THE FABRIC OF UNITY IN HUMAN BEING

- THE SONG OF HARMONY

- THE BASIS OF CO OPERATION

- A FEELING OF TOGETHERNESS

TEAM SPIRIT

GETTING
TOGETHER
IS A BEGINNING

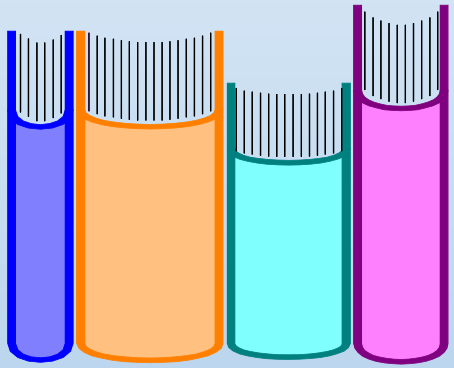

KEEPING
TOGETHER
IS A PROGRESS

WORKING
TOGETHER
IS A SUCCESS

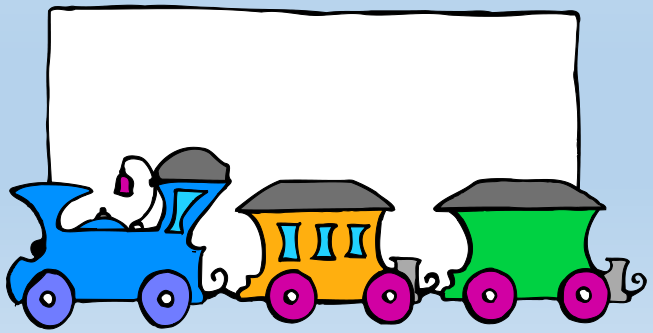

ॐ शांति

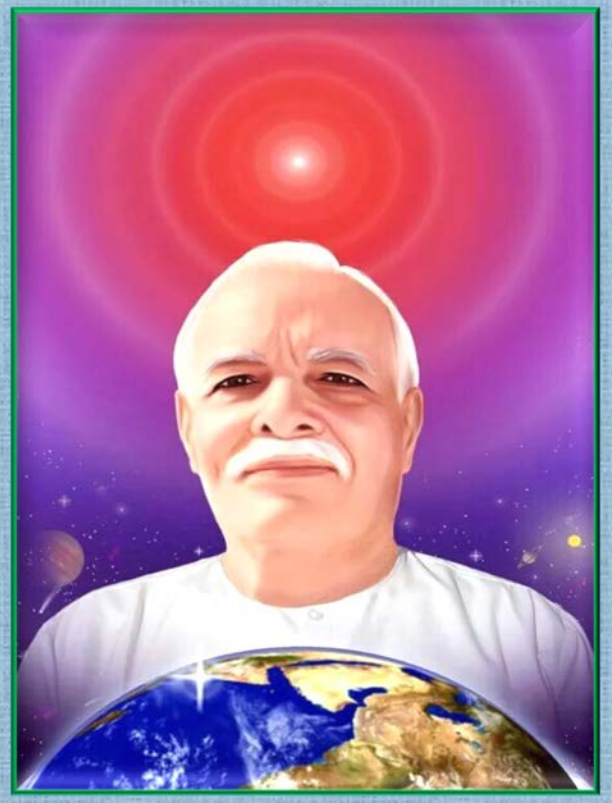

धन्यवाद